अन्याय के विरुद्ध रणभेरीः जनजातीय संग्रहालय में आयोजित 'जननायक समारोह' का समापन

राजा हीराखान सिंह छत्री की शौर्य विजयगाथा का मंचन

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः गोंड जनजातीय समुदाय की सांस्कृतिक परंपराओं, शौर्यगाथाओं, आध्यात्मिक विश्वासों और जीवन-मूल्यों को जनजातीय आख्यानों एवं नृत्य-नाट्यों के माध्यम से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा गोण्ड सभ्यता के महानायकों आधारित 'जननायक समारोह' का आयोजन किया गया।

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय, श्यामला हिल्स, भोपाल में आयोजित समारोह में 23 अगस्त समापन दिवस पर 'राजा हीराखान सिंह छत्री' का मंचन हुआ, जिसका निर्देशन नवीन सिंह तथा संगीत कुलदीप सारवा द्वारा किया गया है। समारोह में मंचित तीनों ही नृत्य-नाट्य प्रस्तुतियों का आलेख योगेश त्रिपाठी-रीवा द्वारा किया गया। समारोह में नाट्य निर्देशक नवीन सिंह का स्वागत सहायक निदेशक, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी राजीव सक्सेना द्वारा किया गया।

समारोह के समापन दिवस पर 'राजा हीराखान सिंह छत्री' नृत्य-नाट्य प्रस्तुत किया गया। यह गोंड समुदाय के महान योद्धा राजा हीराखान सिंह की शौर्य, संघर्ष, बुद्धिमत्ता और विजय यात्रा की कथा है।

लोक आख्यान के अनुसार राजा हीराखान सिंह, राजा कारीकामा के पुत्र थे। एक प्रसंग में राजा कारीकामा की हत्या राजा तपेसिरिया के सैनिकों द्वारा कर दी जाती है। उनका घोड़ा गिद्ध बाय बछेड़ा राई रोझिन इस घटना का साक्षी बनता है और कारीकामा के राज्य की ओर लौटते समय तपेसिरिया की पुत्री कम्मालहीरो को अपने साथ ले आता है। इसी समय हीराखान सिंह का जन्म होता है। आगे चलकर कम्मालहीरो का विवाह हीराखान सिंह से होता है। विवाह के बाद जब हीराखान सिंह को अपने पूर्वजों के साथ हुए अन्याय और उनके सिर सिंघोला में टांगे जाने की जानकारी मिलती है, तो वे सत्य और न्याय की खोज में संघर्ष का मार्ग चुनते हैं। वे राजा तपेसिरिया से युद्ध करते हैं और अपने पराक्रम एवं बुद्धिमत्ता से उसे परास्त कर अपने पूर्वजों का प्रतिशोध लेते हैं। इसके बाद अपने राज्य में लौटकर वे राजकाज संभालते हैं। नृत्य-नाट्य में राजा हीराखान सिंह की जीवटता, साहस, संघर्ष, युद्ध-कौशल, बुद्धिमत्ता और प्रजा के प्रति प्रतिबद्धता को केंद्र में रखते हुए गोंड संस्कृति एवं परंपराओं को मंचीय रूप दिया गया है। 1.30 मिनट की इस प्रस्तुति में 40 से अधिक कलाकारों के सहभागिता की। साथ ही इस नृत्य में लगभग 10 से अधिक दृश्यों को पिरोया गया। प्रस्तुति में गोण्ड जनजातीय समुदाय के पारंपरिक संगीत और नृत्यों का भी समावेश देखने को मिला।

संभावना गतिविधि में नृत्य की प्रस्तुति

जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि 'संभावना' का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 23 अगस्त को गोण्ड जनजातीय घसियाबाजा नृत्य अनेलाल घासी एवं साथी, सिंगरौली एवं सहरिया जनजातीय लहंगी नृत्य रामलखन आदिवासी एवं साथी, श्योपुर द्वारा प्रस्तुति दी गई। सहरिया जनजाति द्वारा श्रावण मास में किया जाने वाला लंहगी समूह नृत्य है। रक्षाबंधन पूर्णिमा के दूसरे दिन भुजरियों का त्यौहार मनाया जाता है। ग्राम में भुजरियों का चल समारोह निकाला जाता है। बांस की टोकनियों में ऊगे गेहूँ के जवारों को महिलाएँ सिर पर धारण करती हैं, यही भुजरियाँ है। भुजरियों में सभी जाति के लोग सम्मिलित होते हैं। भुजरियों के जुलूस के आगे-आगे पुरूषों द्वारा लहंगी नृत्य किया जाता है। नर्तकों के हाथों में डंडे होते हैं। गोल घेरे में एक ढोलक वादक होता है। ढोलक की तीव्र थापों पर नर्तक डंडे लय के साथ लड़ाते चलते हैं, इससे नृत्य की गति बनती है। इस गति के साथ नर्तक विभिन्न समूहन मुद्रा बनाते हैं। सहरिया जनजाति ने भी लंहगी नृत्य अपना लिया है। खासकर युवा सहरिया रक्षाबंधन के अलावा तेजाजी पूजा मेला, एकादशी आदि पर्वो पर लहंगी नृत्य करते हैं। सरगुजा जिले के सुदूर ग्रामीण अँचल में रहने वाले विशेष कर घासी जाति का यह परम्परागत नृतय एवं जीविका का साधन है। इसमें लौहाटी, शहनाई, टिमकी एवं डपला आदि वाद्य यंत्रों का उपयोग किया जाता है। ग्रामीण लोक शादी-विवाह एवं तीज त्यौहारों पर इन्हें किराये पर ले जाते हैं।

ट्रेनों में बढ़ी भीड़, सीट के लिए करनी पड़ रही मशक्कत

▸▸ **प्रमुख मार्गों पर आरक्षण फुल, स्टेशन और ट्रेनों में बढ़ा यात्री दबावा**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः त्यौहारों का सिलसिला शुरू होने के साथ ही ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ने लगी है। भोपाल से गुजरने वाली प्रमुख ट्रेनों में सामान्य दिनों की तुलना में अधिक यात्री नजर आ रहे हैं। त्यौहार के चलते बड़ी संख्या में लोग अपने घरों और रिश्तेदारों के यहां जाने के लिए रेल यात्रा कर रहे हैं। इससे आरक्षित और सामान्य दोनों श्रेणी की ट्रेनों में दबाव बढ़ गया है।

भोपाल रेलवे स्टेशन सहित मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या बढ़ी है। प्लेटफार्म पर ट्रेन के आने से पहले ही यात्रियों की भीड़ जमा हो रही है। ट्रेन के पहुंचते ही सामान्य श्रेणी के कोचों में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। कई यात्री आरक्षण नहीं मिलने के कारण सामान्य श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं। त्योहारों के कारण लंबी दूरी की ट्रेनों में आरक्षण की स्थिति भी प्रभावित हुई है। कई प्रमुख ट्रेनों में सीटें उपलब्ध नहीं हैं और प्रतीक्षा सूची लंबी होती जा रही है। परिवार के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

रेलवे स्टेशन पर भीड़ बढ़ने के कारण टिकट खिड़कियों, पूछताछ केंद्र और प्रवेश-निकास मार्गों पर भी यात्रियों का दबाव देखा जा रहा है। यात्रियों को ट्रेन के समय और प्लेटफार्म की जानकारी के लिए लगातार उद्घोषणाओं का सहारा लेना पड़ रहा है। त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे प्रशासन द्वारा व्यवस्था पर निगरानी बढ़ाई जा रही है। प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भीड़ वाले समय में यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए कर्मचारियों की तैनाती भी की जा रही है। रेल यात्रियों का कहना है कि त्योहारों के दौरान घर जाने के लिए ट्रेन सबसे सुविधाजनक साधन है।

मेघ उत्सव में गूंजे हरदा के स्वर

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र प्रयागराज तथा सेज युनिवर्सिटी भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय कंसर्ट मेघ उत्सव में हरदा की मिशा शर्मा ने अपने सुरों का जादू बिखेरा। इस उत्सव में कई राज्यों के कलाकारों को आमंत्रित किया गया था। हरदा की श्रीमती मिशा शर्मा ने राग मेघ पर आधारित निमाड़ी लोकगीत सुनाए, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। यह कार्यक्रम युनिवर्सिटी के रॉयल सेज आडोटोरियम में संपन्न हुआ। तबला पर विजय सप्रे एवं सारंगी पर उस्ताद सिराज खान ने साथ दिया, हार्मोनियम पर सुमित शर्मा ढोलक पर कृष्णा तिवारी एवं सह गायन में पलक यदुवंशी, अंशिका ठाकुर ने गायन किया। तीन पीढ़ियों की गुरु शिष्य परंपरा मंच पर उपस्थित रहीं। श्रीमती मिशा शर्मा एवं सुमित शर्मा के गुरूजी पद्मश्री उमाकांत गुंदेचा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे एवं गुरु विजय सप्रे तबला पर संगत कर रहे थे। वहीं सुमित शर्मा और मिशा शर्मा के शिष्य वाद्य संगत एवं सह गायन में में। इस प्रकार तीन पीढ़ियों की श्रृंखला मंच पर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र के उपनिदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय , डॉ. अनिल एम बिसेन कुलपति सेज युनिवर्सिटी भोपाल, स्वाती शर्मा डीन प्रदर्शनकारी विभाग, संजय डायरेक्टर एम पी एस डी एवं अन्य सभी ने मिलकर दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

बिजली कटौती से बढ़ी परेशानी कई इलाकों में घंटों गुल रही

▸▸ **रखरखाव और तकनीकी खराबी के कारण आपूर्ति प्रभावित**

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी में बिजली कटौती के कारण लोगों की परेशानी बढ़ गई है। शहर के कई इलाकों में अलग-अलग समय पर बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गर्मी और उमस के बीच बिजली गुल होने से घरों के साथ ही दुकानों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का कामकाज भी प्रभावित हुआ। शहर के कई क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति बंद रहने की शिकायतें सामने आईं। कुछ इलाकों में निर्धारित रखरखाव कार्य के कारण बिजली बंद की गई, जबकि कुछ स्थानों पर तकनीकी खराबी के चलते आपूर्ति प्रभावित हुई। बिजली नहीं रहने के कारण लोगों को पानी की मोटर चलाने, घरेलू उपकरणों और अन्य जरूरी कामों में परेशानी हुई।

बिजली कटौती का असर विद्यार्थियों और घर से काम करने वाले लोगों पर भी पड़ा। लंबे समय तक आपूर्ति बहाल नहीं होने पर लोगों ने बिजली कंपनी के शिकायत केंद्रों पर संपर्क किया। कई उपभोक्ताओं ने बिजली कटौती की जानकारी समय पर नहीं मिलने की शिकायत भी की। बिजली कंपनी के कर्मचारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में आपूर्ति बहाल करने के लिए तकनीकी कार्य किया। जहां खराबी के कारण बिजली बंद हुई, वहां कर्मचारियों ने लाइन और उपकरणों की जांच कर सुधार कार्य किया। रखरखाव वाले क्षेत्रों में निर्धारित कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति बहाल की गई। शहर में लगातार बढ़ती बिजली मांग के बीच उपभोक्ता निर्बाध आपूर्ति की मांग कर रहे हैं।

ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले को लेकर हाई कोर्ट में सुनवाई

निजी मेडिकल कॉलेजों में सीटें बढ़ाकर आरक्षण देने संबंधी मांगी जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः निजी मेडिकल कॉलेजों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों को 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ देने के मामले में मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को पक्षकार बनाने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। न्यायालय ने पूछा है कि क्या निजी मेडिकल कॉलेजों में सामान्य वर्ग की सीटें बढ़ाकर ईडब्ल्यूएस छात्रों को आरक्षण का लाभ दिया जा सकता है। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बीपी शर्मा की युगलपीठ ने इस मामले से जुड़ी दो अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई की। पहला मामला वर्ष 2024 से लंबित अथर्व चतुर्वेदी बनाम मध्यप्रदेश शासन से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि निजी मेडिकल कॉलेजों में सामान्य वर्ग की सीटों को प्रभावित किए बिना सीटों की संख्या बढ़ाकर ईडब्ल्यूएस छात्रों को प्रवेश दिया जा सकता है। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की ओर से पक्ष रखने के लिए डिप्टी सॉलिसिटर जनरल सुयश मोहन को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। दूसरे मामले में कुमारी दरक्षा अंजुम सहित अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट ने राज्य शासन और नेशनल मेडिकल कमीशन को नोटिस जारी किए हैं।

इग्नू डीपीई की मान्यता बरकरार

इसी बीच हाई कोर्ट ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) से प्राथमिक शिक्षा में दो वर्षीय डिप्लोमा करने वाले अभ्यर्थियों के पक्ष में भी महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि इग्नू का डिप्लोमा इन प्राइमरी एजुकेशन (डीपीई) माध्यमिक शिक्षक पद पर सीधी नियुक्ति और पदोन्नति के लिए मान्य रहेगा। युगलपीठ ने राज्य शासन की तीनों रिट अपीलों को खारिज करते हुए एकलपीठ के पूर्व आदेश को बरकरार रखा है।

सूडोकु नवताल- 7879

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7878 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

काकुरो पहेली - 7552

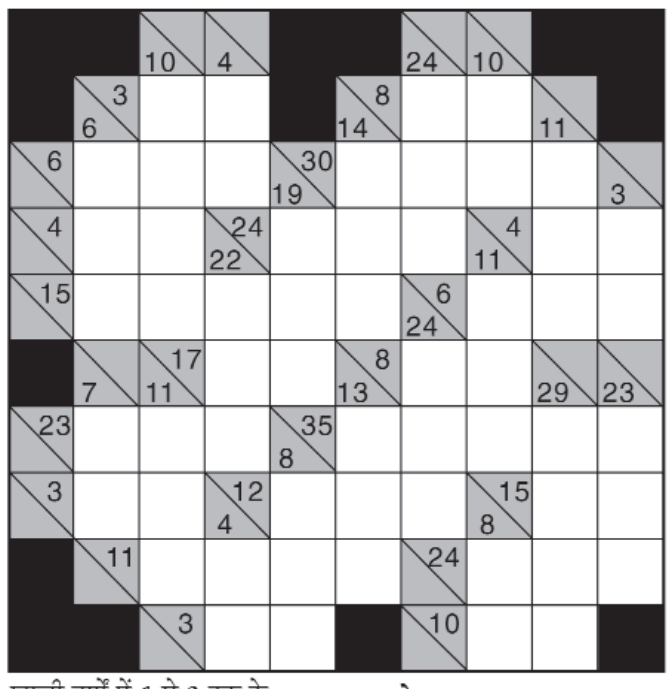

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

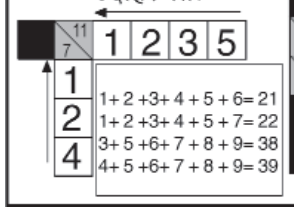

काकुरो - 7551 का हल

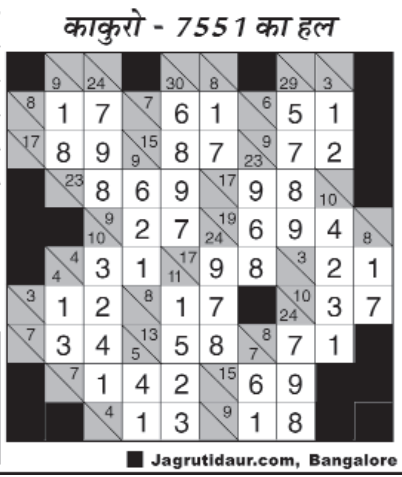

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8960

बाएँ से दाएँ

1. सुगंध, खुशबू-3
3. व्यवस्था-2,2
5. आम लोग-2
6. चिंतन, सोच विचार-3
7. पराया-2
8. विनाश, विध्वंस-2
10. अपने ही घर में बंधक-5
12. वसय, घेरा-3
15. आंचल, पल्लू-3
17. सेंधमार-5
20. भाग्य (अंग्रेजी-2)
22. एक सवारी गाड़ी-2
23. पीहर, पिता का घर-3
24. नवीन, नया, नवजात-2
25. लात मारना-4
26. जोंक, न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1. जी, चित्त, इच्छा-2
2. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3. तार कसना-3
4. जोकर, विदूषक-4
5. दुनिया, जगत-3
7. पंख-2
9. सदैव, हरदम-2
11. जन्म, पैदा होना-3
13. जुड़वा-3
14. आश्चर्य में पड़ना-5
15. जंगल की आग-4
16. टोंटी, नलका-2
18. वश, अधीन-2
19. परिणाम, हल-3
21. अर्जित करना-3
24. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8959 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7391

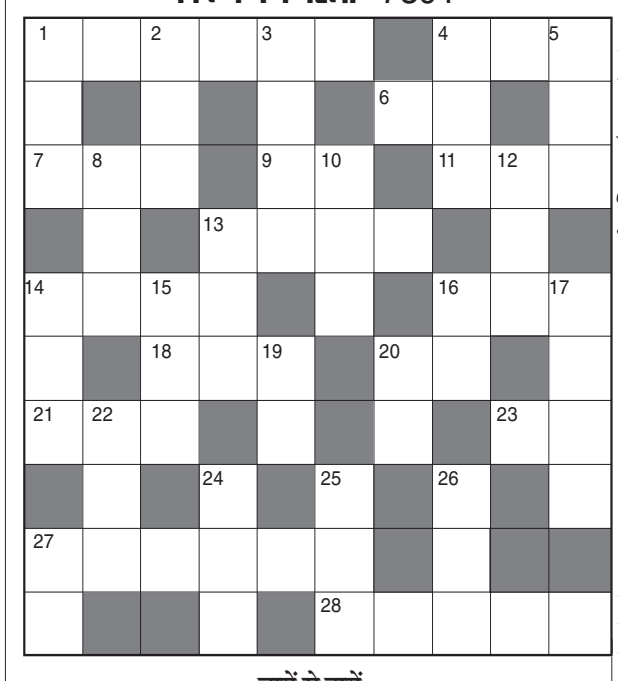

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, सुनील, ऐश, शबाना की 'बहका दिया' गीत वाली फिल्म-४,२
४. 'दोस्ती हो गई रे' गीत वाली सुनील शेट्टी, सुष्मिता, नम्रता की फिल्म-३
६. 'छोड़ो मुझे' गीत वाली फिल्म 'जानू' में जैकी के साथ नायिका कौन थी-२
७. 'दिल खुश है आज उनसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना कुमारी की फिल्म-३
९. फिल्म 'प्यार का साया' में राहुलराय के साथ नायिका कौन थी-२
११. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'गजगामिनी' में मुंशी प्रेमचंद की 'निर्मला' की भूमिका किसने की है-३
१३. राजेंद्रकुमार, बबीता की 'रिमझिम के गीत सावन गाए' गीतवाली फिल्म-४
१४. 'रामजी की निकली सवारी' गीतवाली ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
१६. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चोरी चोरी तेरे संग' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२०. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'कभी शाम ढले तू मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमीं से मोहब्बत हमीं से' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२३. अनिलकपूर, माधुरी की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'फूल सा चेहरा चाँद सी' गीत वाली प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-२,२,२
२८. देव आनंद, गिरीश, टीना मुनीम की 'आवाज सुरीली का' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. सतीश, सुभाष घई, अर्चना की फिल्म-३
२. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरी चाहत में दीवाना हूँ' गीत वाली फरदीन खान, सेलिना की फिल्म-४
४. संजयदत्त, अतुल, रवीना, करिश्मा की 'काश तुम मुझसे एक' गीत वाली फिल्म-३
५. राजेश खन्ना, ऋषिकपूर, पूनम की फिल्म-३
८. 'तुम भी चलो हम' गीत वाली फिल्म-३
१०. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
१२. अक्षयकुमार, रवीना टण्डन की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
१३. फिल्म 'पुष्पक' में कमल हासन के साथ नायिका कौन थी-३
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-३
१५. 'उड़ जा काले कावां' गीतवाली फिल्म-३
१६. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की फिल्म-२
१७. शशि कपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
१९. अनिलकपूर, जैकी, अजय, मनीषा, माधुरी, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
२०. 'मेरा सेहरा तू है' गीत वाली फिल्म-२
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२४. 'चढ़ती जवानी मेरी चाल' गीत वाली फिल्म-३
२५. फिल्म 'अजूबा' में 'शहजादी हिना' की भूमिका किसने की थी-३
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली फिल्म-३
२७. फिल्म 'शर्मीली' में शशिकपूर के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7390

क	ल	यु	ग		जा	न	ए	म	न
भी		वा		दि	ल		ला		या
अ	क्स		शि	वा		खा	न	दा	न
ल		ठि	का	ना		मो			शा
वि			र		आ	शी	र्वा	द	
दा	मि	नी		भा	ई			ह	स्ती
ना		ल	क्ष्य		ना	ला	य	क	
क	स	म		स		ट			मं
ह			दौ	ड़		सा	थ	सा	थ
ना	स्ति	क		क	री	ब			न

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 7485

7		1	3			
	30		21	1	35	7
1		2		3	7	
	29	6	40		34	
	3		7	6	1	2
	33		42		26	
3	1			2		4

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 7484 का हल

4	5	6	7	1	2	3
7	33	2	34	3	29	6
2	3	4	5	6	7	1
6	28	1	36	2	30	4
3	4	5	6	7	1	2
5	30	7	41	4	37	5
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 8505

स	रा	जें	द्र	स	ता	ना	वा	ज	पे	स
ल्त	फ	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	र
न	स	ल	म	को	ह	रा	म	ल	ख	का
त	स	स	ता	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	र
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	म	उ	ती	व	घ	स
स	ड़	क	फ्यू	जी	प	बा	ज	स	व	जा
श	एं	वा	स	र	फ	रो	श	ज	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	स	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	चे	द
वि	ज	स	त्ता	धी	श	डि	त	ब	त	म

शब्दजाल में 'स' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

सफलता, सरकार, सजा, सचेत, सजग, सरफरोश, सल्तनत, सड़क, सत्ताधीश, सताना

शब्दजाल - 8504 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore